M.A. (Part-II) (Economics) New CBCS Pattern Semester-III

EC-302 - Compulsory Paper : International Trade & Finance-I

P. Pages : 3 **GUG/W/23/14392**

Time : Three Hours * 8 0 9 8 * Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain Haberler's theory of opportunity cost. **16**

OR

Write J.S. Mill's theory of international trade.

2. Explain the gains from international trade. How they are measured. **16**

OR

International trade is an engine of economic growth. Discuss.

3. Answer the following questions **any two.** **16**

i) Explain the concepts of Balance of trade and Balance of payments.

ii) What are the causes of disequilibrium in the balance of payment.

iii) Explain the concept of foreign trade multiplier.

iv) Write mint-par theory of exchange rate.

4. Answer the following questions **any two.** **16**

a) Explain Leontief Paradox.

b) What is the role of dynamic factors in international trade.

c) Explain Samuelson theorem in brief.

d) What is factor price equalization theorem.

5. Write answers of all the questions below. **16**

i) Distinguish between international and inter regional trade.

ii) What are the difference between Ricardo & Ohlin about theory of international trade.

iii) Write views of modern economists about gains from international trade.

iv) What are the restrictions imposed by govt on imports to correct the problems of balance of payments.

****

M.A. (Part-II) (Economics) New CBCS Pattern Semester-III

EC-302 - Compulsory Paper : International Trade & Finance-I

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.

1. Haberler (हॅबरलर) चा वैकल्पिक व्ययाचा सिध्दांत स्पष्ट करा. **16**

किंवा

J.S.Mill चा आंतरराष्ट्रीय व्यापाराचा सिध्दांत लिहा.

2. आंतरराष्ट्रीय व्यापारतून होणारा लाभ (gains) स्पष्ट करा त्याचे मापन कसे केले जाते. **16**

किंवा

"आंतरराष्ट्रीय व्यापार हे आर्थिक विकासाचे इंजिन आहे" चर्चा करा.

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोनची** उत्तरे लिहा. **16**

1) शोधन शेष व व्यापार शेष ह्या संकल्पना स्पष्ट करा.

2) शोधन शेषातील असंतुलनाची कारणे स्पष्ट करा.

3) विदेशी व्यापार गुणकाची संकल्पना स्पष्ट करा.

4) टाकसाळी समता दराचा सिध्दांत स्पष्ट करा.

4. खालील पैकी **कोणत्याही दोनची** उत्तरे लिहा. **16**

अ) Leontief चा विरोधाभास स्पष्ट करा.

ब) आंतरराष्ट्रीय व्यापारात गतिमान घटकांची भूमिका स्पष्ट करा.

क) Samuelson चा सिध्दांत थोडक्यात स्पष्ट करा.

ड) साधन-मूल्य समानीकरण (Factor Price equalization) म्हणजे काय?

5. खालील सर्व प्रश्नांची उत्तरे सोडवा. **16**

अ) अंतर्गत व आंतरराष्ट्रीय व्यापारातील फरक स्पष्ट करा.

ब) रिकार्डो आणि ओहलीन यांच्यातील आंतरराष्ट्रीय व्यापाराबाबत मतभिन्नता स्पष्ट करा.

क) आंतरराष्ट्रीय व्यापारातील लाभाबाबत आधुनिक अर्थशास्त्रांची मतभिन्नता स्पष्ट करा.

ड) शोधन शेषातील असंतुलन दूर करण्यासाठी सरकारने आयातीवर कोणती नियंत्रणे लावली.

****

M.A. (Part-II) (Economics) New CBCS Pattern Semester-III

EC-302 - Compulsory Paper : International Trade & Finance-I

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. Haberler का अवसर लागत का सिध्दांत स्पष्ट कीजिए। **16**

अथवा

J.S.Mill का आंतरराष्ट्रीय व्यापार का सिध्दांत लिखिए।

2. आंतरराष्ट्रीय व्यापार से होनेवाले लाभ का मापन कैसे किया जाता है। **16**

अथवा

"आंतरराष्ट्रीय व्यापार, आर्थिक विकास का इंजन है" चर्चा कीजिए।

3. निम्न प्रश्नों मे से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिये। **16**

1) भुगतान संतुलन एवं व्यापार शेष संज्ञा स्पष्ट कीजिए।

2) शोधन शेष असंतुलन के कारण स्पष्ट कीजिए।

3) विदेशी व्यापार गुणक की कल्पना समझाइये।

4) Mint-par theory स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नो में से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिए। **16**

अ) Leontief का विरोधाभास स्पष्ट किजिए।

ब) आंतरराष्ट्रीय व्यापार में गतिमान घटकोकी भूमिका स्पष्ट किजिए।

क) Samuelson का सिध्दांत संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

ड) साधन मूल्य समानीकरण (Factor price equalization) का अर्थ बतलाईये।

5. निम्नलिखित सभी प्रश्नो के उत्तर लिखिये। **16**

अ) आंतरराज्यीय एवं आंतरराष्ट्रीय व्यापार में अंतर स्पष्ट कीजिए।

ब) रिकार्डो तथा ओहलीन का आंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधी मतभिन्नता स्पष्ट कीजिए।

क) आंतरराष्ट्रीय व्यापार से होने वाले लाभ के बारे में आधुनिक अर्थशास्त्रीयो की भूमिका स्पष्ट कीजिये।

ड) Balance of payment मे असंतुलन को दूर करने के हेतु सरकारने आयात पर कौनसे नियंत्रण लगाए है।

****